यह प्रक्रिया अन्य बैंकों तक चलती रहती है। इस क्रम में प्रत्येक बैंक अतिरिक्त रिज़र्व प्राप्त करता है, उधार देता है और नई जमा निर्मित करता है जो उससे पहले बैंक के 90 प्रतिशत के बराबर होती है। इस प्रकार, 10 प्रतिशत आवश्यक रिजर्व होने पर बैंकिंग प्रणाली रु. 10000 तक नई जमाएं निर्मित करती है, जैसा कि तालिका 4 में दर्शाया गया है।

तालिका IV : गुणज साख निर्माण

बैंक	आवश्यक रिजर्व	नये कर्ज	नई जमाएं
A	रु. 100	रु. 900	रु.
B	रु. 90	रु. 810	रु.
C	रु. 81	रु. 729	रु.
अन्य सभी बैंक	रु. 729	रु. 6,561	रु.
कुल बैंकिंग प्रणाली का जोड़	रु. 1,000	रु. 9,000	रु.

ऊपर की तालिका के अन्तिम स्तंभ में गुणज (multiple) साख निर्माण को बीजगणितीय रूप में निम्न प्रकार से हल किया जा सकता है:

रु. $1000\,[(1 + (9/10) + (9/10)^2 + (9/10)^3 + \ldots\ldots + (9/10)^n]$

= रु. $1000\,(1/1—9/10)$ = रु. $1,000\,(1/1/10)$ = रु. 1000×10 = रु. 10,000.

3. बैंकों की साख निर्माण की सीमाएं
(LIMITATIONS OF CREDIT CREATION BY BANK)

हमने ऊपर देखा कि सम्पूर्ण बैंकिंग प्रणाली किस प्रकार साख का निर्माण कर सकती है। परन्तु इसका यह अर्थ नहीं कि बैंकों की साख निर्माण करने की शक्ति असीमित है। वास्तव में, उन्हें कुछ नियंत्रणों में रहकर ही कार्य करना पड़ता है। कमर्शियल बैंकों की साख निर्माण की शक्ति पर निम्न सीमाएँ हैं :

1. नकदी की मात्रा (Amount of Cash)—बैंक की साख निर्माण की शक्ति उस नकद राशि पर निर्भर करती है जो बैंक में विद्यमान होती है। बैंक के पास जितनी अधिक नकदी होगी, वह उतनी ही अधिक मात्रा में साख का निर्माण कर सकेगे। बैंक के तहखाने में विद्यमान नकदी से बैंक की नकदी निर्धारित नहीं की जा सकती है। वह तो बैंक में रखी गई प्राथमिक जमा पर निर्भर करती है। इस प्रकार, बैंक की साख-निर्माण की शक्ति को उसके पास विद्यमान नकदी सीमित कर देती हैं।

2. उचित जमानतें (Proper Securities)—एक महत्त्वपूर्ण कारण, जो बैंक की साख-निर्माण की शक्ति को सीमित करता है, पर्याप्त जमानतों की उपलब्धता है। कोई बैंक अपने ग्राहक को किसी जमानत, हुंडी, शेयर या स्टॉक या बिल्डिंग या अन्य प्रकार की परिसम्पत्ति के आधार पर कर्जा देता है। बैंक अतरल संपत्ति को तरल संपत्ति में बदलता है और इस प्रकार साख का निर्माण करता है। यदि जनता के पास उचित जमानत न हो तो बैंक साख का निर्माण नहीं कर सकता। क्राउथर ने लक्ष्य किया है, "बैंक शून्य में से साख का निर्माण नहीं करता, वह तो अन्य प्रकार की संपत्ति को मुद्रा में रूपान्तरित करता है।"[1]

3. लोगों की बैंकिंग की आदतें (Banking Habits of the People)—लोगों की बैंकिंग की आदतें भी बैंक की साख-निर्माण की शक्ति को प्रभावित करती हैं। लोगों में चैक का प्रयोग करने की आदत नहीं है, तो कर्ज देने का परिणाम यह होगा कि बैंकिंग प्रणाली की साख-निर्माण करने की शक्ति क्षीण पड़ जाएगी।

4. न्यूनतम कानूनी रिज़र्व अनुपात (Minimum Legal Reserve Ratio)—केन्द्रीय बैंक द्वारा नियत किया गया जमा से नकदी का न्यूनतम कानूनी रिज़र्व अनुपात भी एक महत्त्वपूर्ण कारण है जो बैंक की साख-निर्माण की शक्ति को निर्धारित करता है। यह अनुपात (RRr) जितना अधिक होगा, बैंक की साख-निर्माण करने की शक्ति उतनी ही कम होगी; और यह अनुपात जितना कम होगा, बैंक की

---

1. Geoffrey Crowther, *An Outline of Money*, r/e, 1948, p. 30.